जब मेरे स्वामी अंधे... तो मैं भी संसार नहीं देखूंगी

- गांधारी की पीड़ा ने मंच पर किया भावुक
- नाटक गांधारी ने दर्शकों को अंदर से झकझोरा

नवभारत प्रतिनिधि,

भोपाल, 4 जनवरी. जब मेरे स्वामी अंधे हैं, तो मैं भी संसार नहीं देखूंगी, आंखों पर बंधी पट्टी बांधे जब गांधारी ने ये पंक्तियां कही तो चेतना सभागार में सन्नाटा छा गया. रविवार शाम नाटक गांधारी ने दर्शकों को अपने प्रभावी प्रस्तुति से भीतर तक झकझोर दिया. नीलबड़ स्थित चेतना सभागार में मंचित इस नाटक ने महाभारत को गांधारी की दृष्टि से मंच पर उतारा.

नाटक की प्रस्तुति सादगी में गहरी और भावनाओं में तीव्र रही. मंच पर जब रथ का निर्माण होता है और युद्ध की छाया उभरती है तो दर्शक खुद को कुरुक्षेत्र के बीच खड़ा महसूस करता है. नाटक में द्रौपदी चीरहरण और दुशासन वध जैसे प्रसंग बेहद प्रभावी ढंग से सामने आते हैं. सीमित साधनों में रचे गए दृश्य कल्पना को विस्तार देते हैं. नाटक की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि चार महिला कलाकारों ने भीम, युधिष्ठिर, भीष्म, धृतराष्ट्र और कृष्ण जैसे पात्रों को निभाया. उनके हाव भाव और संवाद अदायगी इतनी सशक्त रही कि मंच पर कलाकारों की संख्या का आभास ही नहीं हुआ.

गांधारी के रूप में कलाकारों ने मौन संकल्प और पश्चाताप को गहरी संवेदना के साथ प्रस्तुत किया. गांधारी एक ऐसी प्रस्तुति रही जिसने दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया कि इतिहास के फैसले कैसे एक स्त्री के मौन से बदल गए. कथा में रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं का प्रभाव नाटक को और भावपूर्ण बनाता है. एक घंटे से कुछ अधिक समय में महाभारत की विराट कथा को समेटना अपने आप में चुनौतीपूर्ण था. लेकिन निर्देशक आशीष श्रीवास्तव सहित कलाकारों ने इसे सफल बनाया.

'कटोरा' में दिखा प्रेम और अकेलेपन का गहन संवाद

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 जनवरी. हाथ में खाली कटोरा लिए मंच पर खड़ा अद्वय जब कहता है कि प्रेम मांग नहीं मुक्ति है तो पूरा बॉक्स थिएटर कुछ पल के लिए खामोश हो जाता है. यही मौन रंग आलाप कल्चरल सोसायटी और अंतराल थिएटर ग्रुप की एकल नाट्य प्रस्तुति कटोरा की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरता है.

ख्याल कलाप्रेमियों का के बॉक्स थिएटर में मंचित इस नाटक में उन्नीस वर्षीय संवेदनशील युवक अद्वय की भीतरी यात्रा को बेहद सादगी और गहराई के साथ प्रस्तुत किया गया. अद्वय कविताओं की दुनिया में जीता है और एक पुराने कविता संग्रह से जुड़कर उसे लगने लगता है कि कविताओं की अनुभूतियां उसके जीवन में घट रही हैं. आन्या से उसका प्रेम अधूरा रह जाता है और उसके जाने के बाद वह अकेलेपन और अवसाद में डूब जाता है. इसी टूटन के बीच उसका सामना एक बूढ़े कवि से होता है जो धीरे धीरे उसके ही भीतर की रचना के रूप में सामने आता है.

प्रहलाद की कथा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

15वें वर्ष श्रीमद् भागवत कथा, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने लिया आशीर्वाद

भोपाल , 04 जनवरी . आशीर्वाद धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समिति के तत्वावधान में निरंतर 15वें वर्ष श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है. आज की कथा में राष्ट्रीय संत ज्ञान देव महाराज के मुखारविंद से भक्त प्रह्लाद की कथा श्रवण कराई. प्रह्लाद जी दैत्य वंश के थे. इसके बाद भी प्रभु ने कृपा करी भगवान सब के हैं इसीलिये भगवान को समदरसी कहा जाता हैं.

वामनावतार की कथा श्रवण कराई. राजा बलि दानियों में वो राजा हुए, जिनके यहां स्वयं भगवान भिक्षा मांगने आये आगे बड़े ही धूमधाम से भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया. समिति के संयोजक अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि भोपाल के राजीव नगर, दुर्गा मंदिर, सेमरा कलां स्थित एकतापुरी भागवत ग्राउंड मैं आयोजित कथा में आज विशेष अतिथियों की मौजूदगी जिनमें मंत्री और विधायक विश्वास कैलाश सारंग, राजू लोधी सहित हजारों हजार श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा का यह सफलतम 15वां वर्ष है, जहां कथा व्यास संतश्री ज्ञानदेव जी महाराज ने प्रतिदिन अपराह्न 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का अपने मुखारविंद से वर्णन किया। समिति की ओर से सभी सहयोगियों तथा श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया है। यह जानकारी संयोजक अरविंद सिंह चौहान ने दी.

कला और संस्कृति का उत्सव कायस्थम समारोह 11 से

भोपाल , 04 जनवरी. कायस्थम मध्य प्रदेश द्वारा आगामी रविवार, 11 जनवरी को रविंद्र भवन के अंजनी सभागार में शाम 4 बजे से होने वाले कायस्थम – 2026 के आयोजन में चित्रांश महिलाएं भारतीय संस्कृति और कला का प्रदर्शन करेंगी. कायस्थम की महासचिव डॉ. रश्मि सक्सेना ने बताया कि परिधानम 2.0 के तहत तीन प्रतियोगिताएं होंगी. पहली परंपरा प्रतियोगिता होगी, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों में महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली पारंपरिक साड़ियों का प्रदर्शन होगा . दूसरी संस्कृति प्रतियोगिता होगी, जिसमें महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली पोशाकों को प्रस्तुत किया जाएगा.

मानव संग्रहालय में लोसार महोत्सव का समापन

- लद्दाख व सिक्किम की सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत उत्सव

भोपाल , 04 जनवरी . इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल में 02 से 04 जनवरी 2026 तक आयोजित लोसार महोत्सव 2026 का समापन अत्यंत सफल एवं भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ. तीन दिवसीय इस महोत्सव ने हिमालयी क्षेत्रों विशेषकर लद्दाख एवं सिक्किम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकनृत्यों, अनुष्ठानों और पारंपरिक खानपान को सजीव रूप में प्रस्तुत किया.

इस आध्यात्मिक अनुष्ठान का मार्गदर्शन संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे द्वारा किया गया, जिससे कार्यक्रम को विशेष गरिमा एवं सांस्कृतिक महत्व प्राप्त हुआ. निदेशक महोदय ने कहा संग्रहालय में हमने देश की उस संस्कृति को प्रदर्शित किया, जिस क्षेत्र में लोग बहुत कम पहुंच पाते. समापन समारोह कार्यक्रम का सफल संचालन संग्रहालय के पब्लिकेशन ऑफिसर डा. मो रेहान द्वारा किया गया. रसोई चांसा, जो इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में प्रदर्शित है, केवल एक साधारण रसोईघर नहीं है, बल्कि यह लद्दाखी जीवन-दर्शन, सामुदायिक चेतना और सांस्कृतिक आत्मा का जीवंत प्रतीक है.

लोसार महोत्सव 2026 के संयोजक श्रीकांत ने बताया कि, लोसर महोत्सव ने ना ए केवल हिमालयी समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आपसी समझ और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को भी प्रोत्साहित किया. दर्शकों, कलाकारों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के सामूहिक प्रयास से यह महोत्सव एक स्मरणीय एवं सफल आयोजन सिद्ध हुआ.

एक नजर में

बच्चों में जागी समाज को समझने की जिज्ञासा

भोपाल, 4 जनवरी. युवा बच्चों को समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों और देश के लिए कार्य करने वाले महापुरुषों से परिचित कराने के उद्देश्य से मुवी क्लब की एक अनोखी शुरुआत की गई. क्लब का उद्देश्य फिल्मों के माध्यम से बच्चों में सोचने समझने की क्षमता विकसित करना और प्रश्न पूछने की आदत को बढ़ावा देना है. इस पहल की शुरुआत डॉ रंजीत की पहल पर की गई. मूवी क्लब की पहली चलचित्र बैठक द आर्ट हाउस में आयोजित की गई, जहां सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म दिखाई गई. यह फिल्म दोपहर 12 बजे बच्चों के लिए निशुल्क प्रदर्शित की गई. कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया. प्रतिभागी विद्यार्थियों की आयु 10 से 18 वर्ष के बीच रखी गई थी. फिल्म के बाद प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार अश्विनी, द्वितीय पुरस्कार हर्षिता और तृतीय पुरस्कार आरोही को मिला. भोपाल के साथ अन्य स्कूलों के बच्चों ने भी सहभागिता की. कार्यक्रम का संचालन सुनील नारनवरे ने किया.

सुरों की विरासत कार्यक्रम में गूंजे तराने

भोपाल, 4 जनवरी. मेघा छाए आधी रात बुझ गए दीपक सारे, मेरा मन, क्या हुआ तेरा वादा वो कस्म वो इरादा, रविवार शाम जब मंच से सुरीले सुर गूंजे तो सभागार खामोशी से भर गया इन पंक्तियों के साथ ही दर्शक बर्मन युग की उस भावनात्मक दुनिया में उतर गए, जहां हर सुर दिल से निकलकर दिल में उतरता है. संगीत प्रेमियों के लिए सुरों की विरासत कार्यक्रम में एसडी बर्मन और पंचम दा की अमर धुनों ने पूरे रवींद्र भवन के सभागार को भावनाओं से भर दिया. इनर ग्लो सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में उड़ान म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आयोजित रविवार को संगीतमय संध्या में हर गीत बीते दौर की यादों को ताजा करता नजर आया. कार्यक्रम की शुरुआत मानसी इंगले की प्रस्तुति मेघा छाए आधी रात से हुई, जिसने माहौल को गंभीर और संगीतमय बना दिया. इसके बाद श्याम गर्गे ने हमें तुमसे प्यार कितना और जिंदगी के सफर में गुजर जैसे गीतों से श्रोताओं को बर्मन युग में लौटा दिया. प्रमोद निगम की आवाज में तेरे मेरे सपने अब एक रंग हैं सुनकर सभागार तालियों से गूंज उठा. महिला गायिकाओं में मोना घुले ने होठों पे ऐसी बात और पिया तोसे नैना लागे में भावनाओं की गहराई दिखाई. जबकि उमा चौबे ने जाने जां ओ मेरी जाने से समां बांधा. एम एस जयशंकर की ये रात ये चांदनी फिर कहां और राजेश मनुजा का इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल सुनकर कई श्रोता भावुक नजर आए. कार्यक्रम के संयोजक अजय सरवईकर ने फूलों के रंग से दिल की और सामने ये कौन आया जैसे गीतों में सक्रिय सहभागिता की. अंत में सामूहिक गीत जानू मेरी जान और जिंदगी मिल के बिताएंगे पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा.

फोरेंसिक मेडिसिन में नई तकनीक पर मंथन

- मेडिको लीगल एक्सपर्ट्स एसोसिएशन का 8वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन

भोपाल, 4 जनवरी. फोरेंसिक मेडिसिन में तकनीक का उपयोग न्याय प्रक्रिया को अधिक सटीक और प्रभावी बना सकता है, लेकिन इसका प्रयोग संतुलन और सावधानी के साथ होना चाहिए.

यह बात राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज में आयोजित मेडिको लीगल एक्सपर्ट्स एसोसिएशन के 8वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कही. उन्होंने सम्मेलन की थीम की सराहना करते हुए आयोजन समिति का उत्साहवर्धन किया. सम्मेलन की थीम फोरेंसिक मेडिसिन में नई तकनीकी सीमाएं नवाचार एवं एकीकरण रही, जिसमें देशभर से आए फोरेंसिक मेडिसिन विशेषज्ञों ने पोस्टमार्टम सूक्ष्मजैविकी वर्चुअल पोस्टमार्टम फोरेंसिक ऊतक विकृति विज्ञान और विषविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए. सत्रों के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने इसे सहायक उपकरण के रूप में अपनाने पर जोर दिया. वहीं मेडिको लीगल परामर्श के महत्व पर हुई चर्चा में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वेद प्रकाश शर्मा ने महत्वपूर्ण कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला. सम्मेलन में रिसर्च पेपर और पोस्टर प्रस्तुतियों में जीएमसी भोपाल के मिहिर राय को बेस्ट पेपर और वर्धा अग्रवाल को बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड मिला. आयोजन समिति ने बताया कि इस तरह के सम्मेलन छात्रों और संकाय सदस्यों के ज्ञानवर्धन में अहम भूमिका निभाते हैं.

पाठशाला शिक्षिका प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

भोपाल , 04 जनवरी. झीलों की नगरी भोपाल के हृदय स्थल पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अशोका गार्डन में मुनिश्री 108 निर्वेग सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में पाठशाला शिक्षिका-प्रशिक्षण शिविर का शोभायात्रा के माध्यम से समापन हुआ.

शोभायात्रा में भानपुर एवं अशोका गार्डन के दिव्य घोष आकर्षण का केंद्र थे दिव्य घोष एवं जयकारों के नारों से आकाश गूंजायमान हो रहा था महिलाएं पीले वस्त्र में एवं पुरुष श्वेत वस्त्रों में साथ ही शिक्षिकाएं संचालिकाऐं हाथ करघा से निर्मित सफेद वस्त्रों में, बच्चे अपनी पाठशाला कीड्रेस कोड में परिलक्षित हो रहे थे शोभायात्रा बाबा चौराहा से प्रारंभ होकर मंडी चौराहा परिहार चौराहा होते हुए मंदिरजी पर समापन हुआ तदोपरान्त मुनि ससंघ का पड़गाहन श्रद्धालुओं द्वारा किया गया एवं मुनि श्री के आहार निरंतराय सानंद संपन्न करवाए गए. समाज के मीडिया प्रभारी अशोक जैन सारणी ने बताया कि कार्यक्रम में पंचायत कमेटी ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं अशोका गार्डन जैन समाज के यशस्वी अध्यक्ष सच्चेन्द्र जैन गुड्डू भैया आदि उपस्थित थे.

गांधीनगर आश्रम में संगीत संध्या

भोपाल, 04 जनवरी. वरिष्ठ समाजसेवी और सोहागपुर नगर पालिका के पदाधिकारी रहे स्व लक्ष्मण दास गोलानी की पुण्यतिथि पर मुस्कान और केजीएन म्यूजिकल ग्रुप ने हमारे पापा कार्यक्रम कुष्ठ आश्रम गांधीनगर में किया.

कार्यक्रम में वरिष्ठ राष्ट्रवादी विचारक शशि भाई सेठ और विधायक भगवानदास सबनानी, किरण वाधवानी और सोहागपुर महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष कन्नू अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सेदारी की. भगवान दास सबनानी ने हमारे पापा कार्यक्रम की सराहना की. मुस्कान और के जी एन म्यूजिकल ग्रुप के गायक गायिकाओं ने गीत सुनाए.

संस्कृत विद्यालयों की नवीन संबंद्धता के लिए आवेदन आज से

भोपाल। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान म.प्र. द्वारा सत्र 2026-27 के लिए वर्तमान में प्रचलित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रदेश के शासकीय/आदर्श संस्कृत विद्यालय/अशासकीय संस्कृत विद्यालय/शासकीय संस्कृत महाविद्यालय/परम्परागत सामान्य संस्कृत विद्यालय एवं आवासीय संस्कृत विद्यालय (छात्रावास युक्त) संस्कृत विद्यालयों को संस्थान से नवीन सम्बद्धता प्राप्त करने के लिए अथवा सम्बद्धता नवीनीकरण के लिए सोमवार 5 जनवरीसे आवेदन की प्रक्रिया एमपी ऑनलाइन के माध्यम से प्रारंभ की जा रही है।

नारायण गुरु मंदिर में शिवगिरी तीर्थ यात्रा

भोपाल. श्री नारायण मिशन, भोपाल द्वारा गोविंदपुरा स्थित श्री नारायण गुरु मंदिर में शिवगिरी तीर्थ यात्रा (शिवगिरी तीर्थाधानम) का आयोजन किया गया. इस आयोजन में श्री नारायण संदेश परिषद, कोलार रोड, भोपाल तथा श्री नारायण मिशन की यूथ विंग की सक्रिय सहभागिता रही.

शिवगिरी तीर्थ यात्रा श्री नारायण गुरु की उस दृष्टि से प्रेरित रही, जिसमें उन्होंने कहा था कि तीर्थ यात्राओं का उद्देश्य ज्ञान के सार्वभौमिक प्रसार और समग्र विकास को बढ़ावा देना होना चाहिए.

मुख्य कार्यक्रम के रूप में शिवगिरी तीर्थाधानम पदयात्रा को संपन्न हुई. पदयात्रा का शुभारंभ श्री नारायण गुरु मंदिर में गुरु पूजा, गुरु पुष्पांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुआ. मिशन के अध्यक्ष प्रकाशन एस., उपाध्यक्ष श्यामल सुमन तथा महासचिव बी. राजू ने बताया कि नारायण संदेश परिषद सहित बैरागढ़, मंडीदीप एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों ने भाग लिया. इसके अतिरिक्त विदिशा, सारनी, बैतूल तथा दिल्ली से भी श्रद्धालु शामिल हुए. पदयात्रा में केरल के श्रिंघारीमेलम, त्रिशूर के कलाकारों द्वारा विशेष प्रस्तुति दी गई.

स्वास्थ्य | सिद्ध चिकित्सा पर आधारित विशेष कार्यक्रम में मानसिक शांति और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर चर्चा

एक प्रभावी और सरल रास्ता दिखाती है सिद्ध चिकित्सा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 जनवरी. सामान्य स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव के लिए सिद्ध चिकित्सा एक प्रभावी और सरल रास्ता दिखाती है. इसी सोच के साथ एम्स भोपाल में जनसामान्य को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सिद्ध चिकित्सा पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक और आयुष आधारित तरीकों से स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा.

एम्स भोपाल के आयुष विभाग द्वारा 9वें सिद्ध दिवस के अवसर पर सिद्ध फॉर ग्लोबल हेल्थ विषय पर यह जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में सिद्ध चिकित्सा पद्धति का परिचय दिया गया और इसके माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई. कार्यक्रम में आयुष ओपीडी में उपचार के लिए आए मरीजों के साथ उनके परिजन भी शामिल हुए. सत्र के दौरान डॉ. ऐश्वर्या ए ने बताया कि कैसे दैनिक जीवन में छोटे बदलाव कर स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है. प्रतिभागियों को पारंपरिक हर्बल पेय वितरित किया गया और इसके लाभ समझाते हुए चाय और कॉफी के स्थान पर हर्बल पेय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया.

कार्यक्रम के अंत में धिरुमूलर प्राणायाम का सजीव प्रदर्शन भी किया गया. इसमें बताया गया कि यह प्राणायाम मानसिक शांति, एकाग्रता और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है. कार्यक्रम में डॉ. मुद्दा सोफिया और डॉ. रंजना पांडेय ने विभिन्न आयुष विधाओं के माध्यम से उपयोगी स्वास्थ्य सुझाव साझा किए.